पाठ - क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न और उत्तर

प्रश्न **1.** लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं है। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है**?**

प्रश्न **2.** दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है**?**

प्रश्न **3.** आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल 'दोषों का पर्दाफ़ाश' कर रहे हैं। इस प्रकार समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए**?**

कारण बताइए

निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या-क्या हो सकते हैं **?** आपस में चर्चा कीजिए, जैसे **–** "ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।" परिणाम **–** भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

1. "सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।" .....
2. "झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं।" .....
3. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" .....

सार्थक शीर्षक

प्रश्न **1.** लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा**?** क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं**?**
प्रश्न **2.** यदि 'क्या निराश हुआ जाए' के बाद कोई विराम चिह्न लगाने के लिए कहा जाए तो आप दिए गए चिह्नों में से कौन-सा चिह्न लगाएँगे**?** अपने चुनाव का कारण भी बताइए। **-, । . ! ? . ; – , ...** ।

प्रश्न **3.** "आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" क्या आप इस बात से सहमत हैं**?** तर्क सहित उत्तर दीजिए।

अतिरिक्त प्रश्न उत्तर **(Extra Question Answers)**

प्रश्न **1.** जीवन के महान मूल्यों के प्रति आस्था क्यों हिलने लगी है**?**

प्रश्न **2.** दोषों का पर्दाफाश करते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है**?**

प्रश्न **3.** लेखक टिकट बाबू की किस ईमानदारी को देखकर चकित हो गया**?**

प्रश्न **4.** उस घटना को बताइए जिससे यह पता चलता है कि दूसरों के बारे में गलत राय नहीं बना लेनी चाहिए**?**

प्रश्न **5.** लेखक का मन क्यों बैठ जाता है**?** इस पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

प्रश्न **6.** किन तथ्यों के माध्यम से आप कह सकते है कि मानवीय मूल्य अभी भी शेष हैं**?**